पंजाब केसरी २०-०९-२०२५

हर्बल-कम-बॉटैनिकल गार्डन में विद्यार्थियों ने लगाई कलास

अम्बाला, 19 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज के जूलॉजी और बॉटनी विभाग ने आई.क्यू.ए.सी. और एस.डी.जी. क्लब के सहयोग से वीरवार को हर्बल-कम-बॉटैनिकल गार्डन में वर्मी कम्पोस्टिंग विषय पर एक आऊटडोर कलास आयोजित की, जिसमें लगभग 100 छात्र उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यशाला के मूल उद्देश्य पर चर्चा करते हुए समन्वयक डा. शिखा जग्गी ने प्रतिभागियों को बताया कि वर्मी कम्पोस्टिंग जैविक प्रक्रियाओं, डिजाइनों और तकनीकों का संयोजन है, जिसका उपयोग जैविक स्थिरीकरण में तेजी लाने के लिए केंचुओं की कुछ प्रजातियों की बड़ी मात्रा में व्यवस्थित और गहनता से उपयोग किया जाता है।

इसके अलावा आऊटडोर कलास शैक्षिक और मूल्यवान रहते हुए गहन कक्षा सत्रों से ब्रैक प्रदान करके सकारात्मक मानसिक कल्याण को बढ़ावा देती है।

बाहर अधिक समय बिताने से बच्चों को प्रकृति के अधिक पहलुओं और अपने पर्यावरण का सम्मान करने के महत्त्व की समझ विकसित करने की क्षमता मिलती है। प्रतिभागियों ने उल्लेख किया कि व्याख्यान उनके अध्ययन में उपयोगी रहा। उन्होंने भविष्य में खुली कक्षाओं में ऐसे और व्याख्यानों में भाग लेने में भी रुचि व्यक्त की है।

हर्बल-कम-बॉटैनिकल गार्डन में वर्मी कम्पोस्टिंग विषय पर आऊटडोर कलास में भाग लेते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (देवदत्त)